भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 1913
06 दिसम्बर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

जीवन शैली से जुड़ी बीमारियों का इलाज

1913. श्री अरुण कुमार सागर:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश में बुजुर्गों की बढ़ती संख्या को देखते हुए हृदय, किडनी और हड्डी रोगों के इलाज के लिए कोई विशेष योजना बनाई है/तैयार करने का प्रस्ताव है; और
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसकी अद्यतन स्थिति क्या है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ख): स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने वर्ष 2010-11 के दौरान बुजुर्गों की विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए "बुजुर्गों के स्वास्थ्य परिचर्या हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम" (एनपीएचसीई) शुरू किया था, जिसमें बुजुर्गों की जरूरतों के लिए पूरी तरह समर्पित एक व्यापक स्वास्थ्य परिचर्या व्यवस्था शुरू की गई थी। इसमें विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य सुविधाकेन्द्रों में बुजुर्गों के लिए एकीकृत तरीके से प्रोत्साहक, निवारक, उपचारात्मक और पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने की परिकल्पना की गई थी। एनपीएचसीई के तहत प्रदान की जाने वाली सेवाओं का विवरण इस प्रकार है:

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) - दृष्टि, जोड़ों, श्रवण, छाती, रक्तचाप और रक्त शर्करा आदि सहित सामान्य नैदानिक जांच के आधार पर बुजुर्गों के स्वास्थ्य का आकलन करना। आहार संबंधी नियमों सहित क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव लंग डिजीज, गठिया, मधुमेह, उच्च रक्तचाप आदि जैसी लंबे समय वाली बीमारियों पर उचित परामर्श देना।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) - यह पीएचसी और उससे नीचे के रोगियों के लिए पहली चिकित्सा रेफरल इकाई है। सीएचसी में सप्ताह में दो बार बुजुर्गों के लिए समर्पित और विशेषीकृत जेरिएट्रिक क्लीनिक हैं। फिजियोथेरेपी और चिकित्सा पुनर्वास के लिए सीएचसी में फिजियोथेरेपिस्ट/पुनर्वास कर्मी हैं। पुनर्वास कर्मी द्वारा बिस्तर पर पड़े बुजुर्गों के लिए घर जाकर दौरा किया जाता है और ऐसे रोगियों की देखभाल के लिए परिवार के सदस्यों को परामर्श दिया जाता है।

जिला अस्पताल- बुजुर्गों को उनकी बीमारियों की जांच और प्रबंधन के लिए नियमित समर्पित ओपीडी सेवाएं प्रदान करने के लिए जेरिएट्रिक क्लिनिक है। यहाँ बुजुर्गों की अंतरंग परिचर्या हेतु 10 बिस्तरों वाला जेरिएट्रिक वार्ड है, जिसमें प्रयोगशाला जांच और जेरिएट्रिक चिकित्सा और स्वास्थ्य समस्याओं के लिए

दवाओं का प्रावधान भी शामिल है। सीएचसी/पीएचसी द्वारा रेफर किए गए बुजुर्ग मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते है। गंभीर मामलों के लिए विशिष्ट स्तर के अस्पतालों/क्षेत्रीय जेरिएट्रिक केंद्र में रेफरल सेवाएं है।

क्षेत्रीय जेरिएट्रिक केंद्र (आरजीसी) - आरजीसी में समर्पित जेरिएट्रिक क्लिनिक (बुजुर्गों के लिए विशेषीकृत ओपीडी) है। उनके पास अंतरंग परिचर्या के लिए 30 बिस्तरों वाला जेरिएट्रिक वार्ड है और प्रयोगशाला जांच सहित विभिन्न विशेषज्ञताओं में बुजुर्ग रोगियों के लिए समर्पित बिस्तर हैं। मेडिकल कॉलेजों, जिला अस्पतालों और निम्न स्तर से रेफर मामलों के लिए विशिष्ट स्वास्थ्य परिचर्या केंद्र है।

नेशनल सेंटर फॉर एजिंग (एनसीए) - एनसीए जेरिएट्रिक मेडिसिन के क्षेत्र में एक शीर्ष स्तर का अत्याधुनिक बहु-विषयक संस्थान है। इसमें अत्याधुनिक विशिष्ट स्तर की सेवाएँ हैं। विभिन्न नैदानिक विषयों में दैनिक बहिरंग सेवाएँ, डे केयर सेंटर, गहन परिचर्या, शीघ्र पुनर्वास, नैदानिक और चिकित्सीय सेवा आदि के लिए अंतरंग परिचर्या तथा यह 200 बिस्तरों वाला सुविधा केंद्र है।

प्रदान की गई सेवाओं का विवरण **अनुलग्नक**-1 में संलग्न है।

*****

अनुलग्नक-1

राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त आंकड़े

प्रदान की गई सेवाएँ	**वित्त वर्ष 2023-24 (अप्रैल'23- मार्च'24)**	**वित्त वर्ष 2024-25 (अप्रैल'24- जून'24)**
जेरिएट्रिक ओपीडी में देखे गए रोगियों की संख्या	2,62,13,170	1,50,21,264
जेरिएट्रिक वार्ड में भर्ती रोगियों की संख्या	10,66,469	6,87,688
पुनर्वास सेवाएँ प्राप्त करने वाले बुजुर्ग रोगियों की संख्या	19,97,574	8,96,441
बुजुर्गों पर किए गए लैब परीक्षणों की संख्या	52,13,483	69,95,339
घर पर देखभाल प्राप्त करने वाले बुजुर्ग रोगियों की संख्या	15,95,663	7,95,164
सहायक उपकरण प्राप्त करने वाले बुजुर्ग रोगियों की संख्या	49,839	45,074

क्षेत्रीय जराचिकित्सा केन्द्रों से प्राप्त आंकड़े

प्रदान की गई सेवाएँ	**वित्त वर्ष 2023-24 (अप्रैल'23- मार्च'24)**	**वित्त वर्ष 2024-25 (अप्रैल'24- जून'24)**
ओपीडी में देखे गए रोगियों की संख्या	1,26,452	18,880
वार्ड में भर्ती रोगियों की संख्या	10,425	2,919
बुजुर्गों पर किए गए प्रयोगशाला परीक्षणों की संख्या	1,13,123	21,145
पुनर्वास सेवाएँ प्राप्त करने वाले बुजुर्ग रोगियों की संख्या	34,928	8,021

टिप्पणी: **एम्स, नई दिल्ली में एनसीए का उद्घाटन 13 दिसंबर 2023 को किया गया। मद्रास मेडिकल कॉलेज, चेन्नई में एनसीए का उद्घाटन 25 फरवरी 2024 को किया गया।**

*****